



EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Export Promotion Council for Handicrafts

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
**EXPORT PROMOTION
COUNCIL FOR HANDICRAFTS**

EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com | www.epch.in

CIN U20299DL1955NPLO23253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ

प्रेस विज्ञप्ति

ईपीसीएच ने भारत सरकार के माननीय केंद्रीय कपड़ा मंत्री श्री गिरिराज सिंह के साथ एक बैठक में हस्तशिल्प क्षेत्र पर अमेरिकी टैरिफ के समाधान पर जानकारी प्रस्तुत की

नई दिल्ली - 13 अगस्त 2025 - श्री गिरिराज सिंह, माननीय केंद्रीय वस्त्र मंत्री, भारत सरकार, श्री पबित्रा मार्गोरिता, वस्त्र राज्य मंत्री, भारत सरकार; श्रीमती नीलम शमी राव, सचिव वस्त्र; श्रीमती शुभा, व्यापार सलाहकार, वस्त्र मंत्रालय; संयुक्त सचिव, वस्त्र मंत्रालय: श्री अजय गुप्ता, श्रीमती पद्मिनी सिंगला; डॉ. एम बीना, डीसी (हथकरघा) और श्रीमती अमृत राज, डीसी (हस्तशिल्प) ने भारतीय निर्यात पर अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव पर चर्चा करने और संभावित शमन रणनीतियों का पता लगाने के लिए विभिन्न वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषदों और उद्योग संघों के प्रमुखों से मुलाकात की।

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) की ओर से ईपीसीएच के महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार के साथ ईपीसीएच की प्रशासन समिति के सदस्य श्री राजेश जैन और श्री राजेंद्र गुप्ता, ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा और ईपीसीएच के अतिरिक्त कार्यकारी निदेशक श्री राजेश रावत ने किया।

भारत सरकार के माननीय केंद्रीय वस्त्र मंत्री, श्री गिरिराज सिंह ने कहा कि "वर्तमान टैरिफ परिदृश्य नकारा नहीं जा सकने वाली चुनौतियाँ प्रस्तुत करता है, लेकिन यह हमें अपनी रणनीतियों को मज़बूत करने और अपने बाज़ारों में विविधता लाने के लिए भी बाध्य करता है। सरकार अपने निर्यातकों के लिए अनुकूल शर्तें सुनिश्चित करने हेतु अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखेगी, साथ ही हमें यूरोपीय संघ, मध्य पूर्व, पूर्वी एशिया और लैटिन अमेरिका जैसे उभरते और उच्च-संभावना वाले क्षेत्रों में भी अपनी उपस्थिति बढ़ानी होगी। विविधीकरण न केवल एकल बाज़ार पर हमारी निर्भरता कम करेगा, बल्कि हमारे निर्यातकों के लिए विकास के नए अवसर भी खोलेगा। सरकार लक्षित नीतिगत हस्तक्षेपों, प्रोत्साहनों और रणनीतिक व्यापार वार्ताओं के माध्यम से इस क्षेत्र का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि भारतीय निर्यात वैश्विक स्तर पर फलता-फूलता रहे।"

ईपीसीएच के मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष, महानिदेशक डॉ. राकेश कुमार ने कहा कि "50% अमेरिकी टैरिफ एक बड़ी चुनौती है, लेकिन यह हमारे व्यापार करने के तरीके पर पुनर्विचार करने का भी समय है। हमने निर्यातकों की सुरक्षा के लिए 30% लागत समकारी प्रोत्साहन, उच्च ब्याज समकारी योजना लाभ और आयकर अधिनियम की धारा 80एचएचसी के अनुरूप आयकर छूट जैसे तत्काल उपायों की सिफारिश की है। उन्होंने आगे कहा कि "हम वेयरहाउसिंग और ड्रॉप शिपिंग जैसे नए आपूर्ति श्रृंखला मॉडल पर भी काम कर रहे हैं, जिससे निर्यातक विदेशी बाजारों

में ग्राहकों को सीधे ऑर्डर पूरे कर सकें। हम प्रमुख वैश्विक शहरों में फ्लैगशिप और पार्टनर रिटेल स्टोर खोलने की भी काफी संभावना देखते हैं ताकि ग्राहकों को सीधे उत्पादों की आपूर्ति की जा सके, जिससे बिचौलियों पर निर्भरता कम हो और हमारे निर्यातकों के लाभ मार्जिन में सुधार हो।"

ईपीसीएच के सीओ सदस्य श्री राजेश जैन ने कहा कि "इस अत्यधिक टैरिफ के कारण, हमारे निर्यातक असाधारण दबाव में हैं, जिसमें बड़े पैमाने पर ऑर्डर रद्द होने से लेकर बेहतर टैरिफ शर्तों वाले देशों से कड़ी प्रतिस्पर्धा तक शामिल है। हम सरकार से इस क्षेत्र के भविष्य की रक्षा के लिए राजकोषीय और कूटनीतिक हस्तक्षेप के साथ शीघ्र कार्रवाई करने का आग्रह करते हैं।"

ईपीसीएच के सीओ सदस्य श्री राजेंद्र गुप्ता ने कहा कि "हस्तशिल्प क्षेत्र एक गंभीर स्थिति में है और वर्तमान वैश्विक व्यापार परिदृश्य को समय पर और केंद्रित समर्थन की आवश्यकता है। हमारे निर्यातक अनुकूलन और नवाचार के लिए तैयार हैं, लेकिन वे इसे अकेले नहीं कर सकते। हम सरकार से लक्षित राहत उपायों और निरंतर नीतिगत समर्थन का विस्तार करने का अनुरोध करते हैं ताकि यह क्षेत्र निरंतर विकास कर सके, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सके और लाखों लोगों की आजीविका की रक्षा कर सके।"

बैठक के दौरान माननीय मंत्री ने उठाए गए मुद्दों को धैर्यपूर्वक सुना।

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) दुनिया भर के विभिन्न देशों में भारतीय हस्तशिल्प निर्यात को बढ़ावा देने और उच्च गुणवत्ता वाले हस्तशिल्प उत्पादों और सेवाओं के एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में विदेशों में भारत की छवि और होम, लाइफस्टाइल, टेक्स्टाइल, फर्नीचर और फैशन जूलरी ऐंड एक्सेसरीज प्रॉडक्ट के उत्पादन में लगे क्राफ्ट क्लस्टर के लाखों कारीगरों और शिल्पकारों के प्रतिभाशाली हाथों के जादू की ब्रांड इमेज बनाने के लिए जिम्मेदार एक नोडल संस्थान है। इस अवसर पर ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर के वर्मा ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान हस्तशिल्प का कुल निर्यात 33,123 करोड़ रुपये (3,918 मिलियन डॉलर) रहा। इसके साथ ही वर्ष 2024-25 के दौरान अमरीका को होने वाला हस्तशिल्प का कुल निर्यात 12,814 करोड़ रुपए था (1518.18 मिलियन डॉलर) रहा।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

श्री आर. के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक ईपीसीएच;

+91-9810697868



EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Export Promotion Council for Handicrafts

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
**EXPORT PROMOTION
COUNCIL FOR HANDICRAFTS**

EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com | www.epch.in

CIN U20299DL1955NPLO23253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ

PRESS RELEASE

EPCH PRESENTED INPUTS For ADDRESSING U.S. RECIPROCAL TARIFFS ON HANDICRAFTS SECTOR IN A MEETING WITH SHRI GIRIRAJ SINGH, HON'BLE UNION MINISTER OF TEXTILES, GOVT. OF INDIA

New Delhi – 13th August'2025 – Shri Giriraj Singh, Hon'ble Union Minister of Textiles, Govt. of India along with Shri Pabitra Margherita, Minister of state for Textiles, Govt. of India; Smt. Neelam Shami Rao, Secretary Textiles; Smt. Shubhra, Trade Advisor, Ministry of Textiles; Joint Secretary, Ministry of Textiles: Shri Ajay Gupta, Ms. Padmini Singla; Dr. M Beena, DC (Handloom) and Smt. Amrit Raj, DC (Handicrafts) met the heads of various Textiles Export Promotion Councils and Industry Associations to discuss the impact of U.S. Reciprocal Tariffs on Indian exports and explore potential mitigation strategies.

The Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) was represented by Dr. Rakesh Kumar, Director General in the role of Chief Mentor – EPCH and Chairman – India Exposition Mart Ltd. (IEML), along with Shri Rajesh Jain and Shri Rajendra Gupta, Members of the Committee of Administration – EPCH; Shri R. K. Verma, Executive Director – EPCH and Shri Rajesh Rawat, Additional Executive Director – EPCH.

Shri Giriraj Singh, Hon'ble Union Minister of Textiles, Govt. of India shared that “the current tariff scenario presents undeniable challenges, but it also compels us to strengthen our strategies and diversify our markets. While government will continue in engaging with the US to secure favourable terms for our exporters, we must also expand our footprint in emerging and high-potential regions such as the European Union, the Middle East, East Asia and Latin America. Diversification will not only reduce our dependence on a single market but also open new growth opportunities for our exporters. The government remains committed to supporting the sector with targeted policy interventions, promotional incentives and strategic trade negotiations to ensure that Indian exports continue to thrive globally.”

Dr. Rakesh Kumar, Director General in the role of Chief Mentor – EPCH and Chairman IEML said that “the 50% U.S. tariff is a major challenge, but also a moment to rethink how we do business. We've recommended urgent measures like a 30% Cost Equalisation Incentive, higher Interest Equalisation Scheme benefits and Income Tax exemptions be provided in line with erstwhile Section 80HHC of the Income Tax Act to safeguard exporters. He further added that “we're also working on new supply chain model such as warehousing and drop shipping, allowing exporters to fulfil orders directly to customers in overseas markets. We also see great potential in opening flagship and partner retail stores in key global cities to supply products directly to customers, thereby reducing dependence on intermediaries and improving profit margins for our exporters.

Shri Rajesh Jain, Member CoA EPCH said that “Due to this extreme tariffs, our exporters are under extraordinary pressure, from large-scale order cancellations to intense

competition from countries with better tariff terms. We urge the government to act swiftly with both fiscal and diplomatic interventions to safeguard this sector's future."

Shri Rajendra Gupta, Member CoA EPCH said that "the handicrafts sector stands at a critical situation and the current global trade scenario requires timely and focused support. Our exporters are ready to adapt and innovate, but they cannot do it alone. We request the government to extend targeted relief measures and sustained policy backing so that this sector can continue to grow, compete globally and safeguard the livelihoods of millions."

During the meeting the Hon'ble Minister gave a patient hearing to the issues raised.

Export Promotion Council for Handicrafts is a nodal agency for promotion of exports of handicrafts from the Country and create brand image of magic of the gifted hands of millions of artisans and craftspersons engaged in production of home, lifestyle, textiles, fashion jewellery & accessories products in different craft clusters of the Country. The overall Handicrafts exports during the year 2023-24 was Rs. 32,759 Crores (US \$ 3,956 Million) and exports of handicrafts to the USA during the year 2023-24 was Rs. 13,381.07 Crores (US \$ 1,616.12 Million) with a share of 41% of total exports of Handicrafts from India informed by Shri R. K. Verma, Executive Director, EPCH.

For more information please contact:

Mr. R. K. Verma, Executive Director, EPCH
+91-9810679868

Encl: Hindi, English version and photos



Photo 1, 2 & 3: Dr. Rakesh Kumar, Director General in the role of Chief Mentor – EPCH and Chairman IEML presented a memorandum to Shri Giriraj Singh, Hon'ble Union Minister of Textiles, Govt. of India. Also seen Shri Pabitra Margherita, Minister of state for Textiles, Govt. of India; Smt. Neelam Shami Rao, Secretary Textiles; Smt. Shubhra, Trade Advisor, Ministry of Textiles; Joint Secretary, Ministry of Textiles: Shri Ajay Gupta, Ms. Padmini Singla; Dr. M Beena, DC (Handloom) and Smt. Amrit Raj, DC (Handicrafts) Shri R. K. Verma, Executive Director EPCH and Shri Rajesh Rawat, Addl. Executive Director EPCH.